अध्याय -7 | स्वयं प्रकाश

QUIZ-01

1. **नेताजी का चश्मा' पाठ के लेखक कौन हैं?**
   A. स्वयं प्रकाश
   B. रामवृक्ष बेनीपुरी
   C. यशपाल
   D. यतींद्र मिश्र (A)

व्याख्या : नेताजी का चश्मा' पाठ के लेखक स्वयं प्रकाश हैं, जो व्यंग्य लेखन के लिए प्रसिद्ध हैं।

2. . **'नेताजी का चश्मा' किस प्रकार का पाठ है?**
   A. निबंध
   B. वृत्तांत यात्रा
   C. कहानी
   D. एकांकी (C)

व्याख्या : यह एक व्यंग्यात्मक कहानी है जिसमें मूर्ति स्थापना और उसमें हुए हास्यास्पद परिवर्तन को दर्शाया गया है।

3. **'पाठ के अनुसार मूर्ति बनाने का अवसर किसे दिया गया था?**
   A. मूर्तिकार को
   B. मोतीलालजी को
   C. सरकारी कार्यालय को
   D. इनमें कोई नहीं (B)

व्याख्या : कहानी में नेताजी की मूर्ति बनाने का कार्य मोतीलालजी को सौंपा गया था।

4. **मोतीलालजी ने मूर्ति बनाने का कार्य कब तक पूरा करने का आश्वासन दिया?**
   A. महीने भर में B. हफ्ते भर में
   C. सप्ताह भर में D. इनमें कोई नहीं (A)

व्याख्या : मोतीलालजी ने मूर्ति एक महीने में तैयार करने का वादा किया था।

5. **'नेताजी का चश्मा' पाठ में देशभक्त किसे कहा गया है?**
   A. हालदार साहब को
   B. कैप्टन चश्मे वाले को
   C. सामान्य आदमी को
   D. इनमें कोई नहीं (B)

व्याख्या : 'पाठ में व्यंग्यात्मक ढंग से बताया गया है कि कैप्टन चश्मे वाले को देशभक्त समझा गया।

6. **हालदार साहब किसे देखकर आश्चर्यचकित हो गए थे?**
   A. पानवाले को B. मूर्ति को
   C. कैप्टन चश्मे वाले को D. इनमें कोई नहीं (C)

व्याख्या : क्योंकि वह एक बूढ़ा मरियल और विकलांग व्यक्ति था।

7. **पाठ के अनुसार कैप्टन देखने में कैसा था?**
   A. मरियल – सा
   B. बेहद बूढ़ा
   C. लँगड़ा
   D. इनमें सभी (D)

व्याख्या : कैप्टन के बारे में यही विवरण दिया गया है – वह मरियल, बूढ़ा और लँगड़ा था।

8. **कस्बे से गुजरते समय हालदार साहब किस मूर्ति को ध्यान से देखते थे?**
   A. नेताजी की
   B. कैप्टन की
   C. चश्मे वाले की
   D. इनमें कोई नहीं (A)

व्याख्या : हालदार साहब हर 15वें दिन नेताजी की मूर्ति को बड़े ध्यान से देखा करते थे।

9. **मूर्ति को देखकर हालदार साहब के मन में कैसे भाव उठते थे?**
   A. आश्चर्य और चिंतन के
   B. कौतुक और प्रफुल्लता के
   C. दुविधा और संशय के
   D. इनमें कोई नहीं (B)

व्याख्या : मूर्ति की स्थिति और परिवर्तन देखकर हालदार साहब के मन में कौतुक और हास्यपूर्ण आनंद उत्पन्न होता था।

10. **हालदार साहब के मन में कौतुक और प्रफुल्लता के भाव क्यों उठते थे?**
    A. बदलते चश्मों को देखकर
    B. मूर्ति को देखकर
    C. कैप्टन को देखकर
    D. इनमें कोई नहीं (A)

व्याख्या : मूर्ति पर लगाए जाने वाले अलग-अलग प्रकार के चश्मों को देखकर हालदार साहब को हास्य और आनंद की अनुभूति होती थी।